

## लोक सुनवाई का वृत्त।

मेसर्स रुद्रा माइनिंग एलएलपी, प्रो०-श्री विश्वजीत कुमार, पिता-श्री विशेश्वर प्रसाद, गाँव-परेओ, पोस्ट-बिहटा, जिला-पटना द्वारा रोहतास सोन-14 बालूघाट, मौजा-मकरैन, प्रखंड-डेहरी जिला-रोहतास के अन्तर्गत परियोजना से संबंधित पर्यावरणीय स्वीकृति के वास्ते पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अधिसूचना सं०-एस.ओ.1533, दिनांक 14 सितम्बर, 2006 के तहत दिनांक 19.06.2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अंचल कार्यालय डेहरी, जिला-रोहतास में लोक सुनवाई की गयी।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार अधिसूचना सं०-एस.ओ. 1533, दिनांक 14 सितम्बर 2006 एवं यथा संशोधित के तहत राज्य स्तरीय पर्यावरणीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण, बिहार के द्वारा निर्गत TOR File.No.SIA/1(a)/2086/2022, dt. 11.01.2023 के आलोक में श्री संजय कुमार सिन्हा, अपर समहर्ता, रोहतास (जिला पदाधिकारी, रोहतास के प्रतिनिधि) की अध्यक्षता में बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्सद, द्वारा दिनांक 19.06.2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अंचल कार्यालय डेहरी, डेहरी, जिला-रोहतास में लोक-सुनवाई आयोजित की गयी। उपस्थिति पंजी संलग्न (अनुलग्नक-1)

इस लोक-सुनवाई की सूचना बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्सद द्वारा दैनिक समाचार पत्रों यथा सोन वर्षा बाणी, टाइम्स ऑफ इंडिया के माध्यम से दिनांक 16.05.2023 को प्रकाशित की गयी थी (प्रतिलिपि संलग्न)। लोक-सुनवाई के दौरान श्री सैन कुमार, क्षेत्रीय पदाधिकारी, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्सद, पूर्णियाँ द्वारा लोक-सुनवाई में उपस्थित जन-समुदाय एवं सभी संबंधित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना सं०-एस.ओ.1533, दिनांक 14 सितम्बर 2006 एवं यथा संशोधित के तहत इकाई के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक-सुनवाई की पृष्ठ-भूमि पर प्रकाश डाला गया। लोक हित में कार्य योजना से संबंधित सुनवाई के उद्देश्य से उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया। साथ ही स्थानीय लोगों से पर्यावरण संरक्षण एवं लोक हित के संबंध में सुझाव/विचार/मंतव्य माँगा गया।

लोक सुनवाई कार्यक्रम के अध्यक्ष के अनुमति से परियोजना के पर्यावरणीय सलाहकार श्री रवि रंजन कुमार ने इकाई की खनन कार्य परियोजना, प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था एवं कॉरपोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी (Corporate Environmental Responsibility) आदि के संबंध में आमजनों को विस्तृत रूप से अवगत कराया। इनके द्वारा सूचित किया गया कि खनन कार्य के उपरान्त परिवहन के दौरान उत्सर्जित होने वाले धूल-कण की रोक-थाम हेतु सड़को पर नियमति रूप से जल छिड़काव किया जायेगा। वाहनों पर ओवरलोडिंग नही की जायेगी। वाहनों को तिरपाल से ढक कर ले जाया जायेगा। खनन कार्य सतह से 3 मीटर की गहराई तक या भू-जल स्तर से ऊपर तक किया जायेगा। ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु ध्वनि यंत्र (हार्न) का न्यूनतम उपयोग किया जायेगा। पुराने एवं खराब वाहनों का इस्तेमाल नहीं किया जायेगा। सड़क के किनारे एवं खनन पट्टा क्षेत्र में वृक्षारोपण (330 नं०)का कार्य किया जायेगा। बालू खनन के दौरान पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के Sustainable Sand Mining Management

Guidelines 2016 (SSMG-2016) एवं Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining-2020 (EMGSM-2020) के प्रावधानों का अनुपालन किया जायेगा।

परियोजना प्रस्तुतिकरण के पश्चात् उपस्थित महानुभावों द्वारा दिए गए सुझाव/मंतव्य निम्नवतः है:-

क्रमांक	नाम एवं पता	प्रतिक्रिया / सुझाव
1.	श्री राजीव यादव, वार्ड पर्षद, ग्राम-मकरैन, जिला-रोहतास।	<p>इनके द्वारा बताया गया कि बालू का परिवहन ट्रैक्टर से करने पर सड़क पर बालू गिरने से दूर्घटना होती है। बालू का परिवहन ढककर किया जाय तथा नियमित रूप से सड़क पर गिरने वाले बालू को सफाई की जाय तथा वृक्षारोपण किया जाय।</p> <p>पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जायेगा। संवेदक द्वारा बालू घाट से नजदीक सड़क पर गिरे बालू को हटाया जायेगा। 330 पेड़ लगाने का प्रस्ताव है। इसके अलावे भी ग्रामीणों की मांग करने पर उनको मुफ्त में पैधा उपलब्ध कराया जायेगा।</p>
2.	श्री योगेन्द्र प्रसाद, ग्राम-मकरैन, वार्ड नं० -01, जिला-रोहतास।	<p>इनके द्वारा सुझाव दिया कि बालू खनन के दौरान सभी मजदूरों का लेबर कार्ड बनवाया जाय एव उनके अराम के लिए सेड बनाया जाय साथ-ही वृक्षारोपण किया जाय।</p> <p>पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा बताया कि लेबर कार्ड बनवाया जायेगा तथा कार्य-स्थल पर मजदूरों के लिए एक सेड का निर्माण कराया जायेगा।</p>
3.	श्री विजय कुमार सिंह, ग्राम-मकरैन, जिला-रोहतास।	<p>इनके द्वारा सुझाव दिया गया कि सड़क पर बालू बहुत गिरता है। उसकी सफाई किया जाय। नदी घाट के नजदीक होने वाले कटाव को रोका जाय तथा नदी के दोनों छोड़ पर एक चौथाई जगह छोड़कर खनन कार्य किया जाय।</p> <p>पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जायेगा। संवेदक द्वारा बालू घाट से नजदीक सड़क पर गिरे बालू को नियमित रूप से हटाया जायेगा तथा बालू खनन का कार्य नियमानुसार ही किया जायेगा।</p>

4.	श्री संजय कुमार सिंह, ग्राम-मकरैन, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा बताया गया कि बालू खनन से रोजगार मिलता है तथा सुझाव दिया गया कि बालू परिवहन ढककर किया जाय। सड़क के दोनों किनारे वृक्षारोपण किया जाय।
5.	श्री संजय कुमार पासवान, ग्राम-मकरैन, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा बताया गया कि बालू घाट पर काम करने वाले लोगों के लिए शेड होना चाहिए तथा बालू परिवहन का परिवहन इस ढंग से किया जाय कि धूल-कण नहीं उड़े। पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा बताया गया कि मजदूरों के लिए कार्य-स्थल पर शेड का निर्माण किया जायेगा। बालू का परिवहन तिरपाल से ढककर किया जायेगा तथा ओभर-लोडिंग नहीं किया जायेगा। सड़क पर पानी का छिड़काव किया जायेगा।
6.	श्री राजू सिंह, ग्राम-मकरैन, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा बताया गया कि बालू खनन से सबको फायदा होता है। सरकार को राजस्व आता है। लेकिन बालू खनन क्षेत्र के गाँव का विकास नहीं होता है। विकास के लिए क्या किया जायेगा। पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा बताया गया कि स्थानीय लोगों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार प्रदान किया जायेगा। अप्रत्यक्ष रूप से भी रोजगार का सृजन होगा। खनन प्रभावित क्षेत्र के लिए जिला खनिज फाउंडेशन में संचित राशि से इस क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेय-जल इत्यादि पर खर्च करने का प्रावधान है। खनन परियोजना के कुल लागत का 2% राशि इसमें संचित होता है। मिशन कायाकल्प के तहत खनन प्रभावित क्षेत्र का विकास किया जाता है।
7.	श्री संजय कुमार, ग्राम-न्यू मकरैन, जिला-रोहतास।	बालू खनन कार्य के कारण गाँव में पानी की समस्या उत्पन्न होती है। उनके द्वारा सुझाव दिया गया कि खनन कार्य 03 मीटर तक ही या जल सतह से ऊपर किया जाय। पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा बताया कि खनन कार्य सतह से 3 मीटर की गहराई तक या भू-जल स्तर से ऊपर तक ही किया जायेगा।
8.	श्री ओम प्रकाश चंद्रवंशी, ग्राम-मकरैन, जिला-रोहतास।	इनके द्वारा प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया तथा बताया गया कि बालू खनन से सभी को फायदा होता है। यहीं पर प्रोजेक्ट मिलेगा और लोगों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

सुनवाई के क्रम में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, डिहरी, अंचल अधिकारी, डिहरी तथा जिला खनन पदाधिकारी के प्रतिनिधि श्री संजीव रंजन भी उपस्थित अपने-अपने विचार रखे :-

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने चर्चा में भाग लेते हुए बालु परिवहन के दौरान आम तौर होने वाली समस्याओं यथा वायु प्रदुषण, ध्वनी प्रदुषण एवं ट्रेफिक जाम इत्यादि के बिन्दु पर ध्यान आकृष्ट करते हुए इस बात पर बल प्रदान किया गया कि खनन के दौरान एवं खनन उपरान्त सरकार के द्वारा निर्धारित मापदण्ड का कड़ाई से अनुपालन एवं सतत् निगरानी रखा जाना आवश्यक है।

चर्चा के क्रम में उपस्थित श्री विजय कुमार सिंह के द्वारा खनन क्षेत्र में कटाव के बिन्दु पर उठाए गए प्रश्न पर परियोजना के तरफ से स्पष्ट किया गया है कि नदी तट से हटकर ही खनन का कार्य किया जाएगा। ऐसे में कटाव की समस्या नहीं होगी। फिर भी इस संदर्भ में अध्यक्ष द्वारा उपस्थित अंचलाधिकारी को इसे संज्ञान में लेकर जाँच करने का निदेश दिया गया।

चर्चा के क्रम में जिला खनन कार्यालय के तरफ से उपस्थित श्री संजीव रंजन, खान निरीक्षण, पदाधिकारी ने खनन कार्य हेतु सरकार के द्वारा निर्धारित मापदंडों की संक्षिप्त चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार के निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप ही कार्रवाई अनुमान्य है, जिसे सुनिश्चित कराया जाएगा।

चर्चा के क्रम में अध्यक्ष के द्वारा मुख्य रूप से परियोजना तथा परियोजना के आलोक में सरकार के द्वारा इस 'जन सुनवाई' के पीछे के निहित उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया गया कि संतुलित विकास सरकार का मुख्य लक्ष्य है। सरकार दृढ़ संकल्पित है कि विकास से पर्यावरण संतुलन एवं आम-जनो की स्वास्थ्य आदि सुविधाओं पर प्रतिकूल असर नहीं पड़े और इसी उद्देश्य से सरकार के द्वारा इस जन सुनवाई का प्रावधान किया गया है। सरकार इस बात को मानती है कि आम जन अपने हितो को बेहतर समझते है और किसी परियोजना के वास्तविक परिचालन हेतु आम जन का पक्ष जानना, उनकी चिन्ताओं/शंकाओं का समाधान करना, उनके सुझावों का नियमानुसार परियोजना परिचालन के क्रम में अंगीकृत करना ही इस सुनवाई का लक्ष्य है।


उनके द्वारा रेखांकित किया गया कि परियोजना के सरकार के मानकों/निर्धारित मापदंडों का अनुपालन तथा सतत् अनुश्रवण किया जाना परियोजना के द्वारा अपेक्षित है। उनके द्वारा इस बात को पुनः रेखांकित किया गया कि खनन कार्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों/मापदण्डों यथा घाटों के दोनो तटो पर निर्धारित क्षेत्र को छोड़कर ही खनन करने, खनन के क्रम में नियमानुसार सतह से तीन मीटर की अधिसीमा का अनुपालन करने, खनन क्षेत्र से मुख्य सड़क पर बालु के परिचालन हेतु Haul रोड का निर्माण करने, परिचालन के क्रम में संभावित वायु-प्रदुषण को रोकने हेतु नियमानुसार स्थल पर लगातार पानी छिड़काव करने, परिचालन स्थल के दोनो ओर अवस्थित पौधो/फसलों में सरकार के नियमानुसार पानी छिड़काव करने, पर्यावरण सतुलन हेतु खनन क्षेत्र के आसपास वृक्षारोपन करने, श्रमिको को कार्य करने हेतु पर्याप्त प्रशिक्षण देने एवं कार्य स्थल पर मानक के अनुरूप अनुमान्य सुविधा उपलब्ध कराने, नियमानुसार पर्यावरण अंकेक्षण एवं निगरानी रखने, नियमानुसार परिचालन में व्यवहृत किये जाने वाले वाहनों को परिवहन विभाग के निदेशानुसार अनुमान्य क्षमतानुसार ही परिचालन आदि किये जाने की आवश्यकता को पुनः रेखांकित करते हुए इस बात पर जोर दिया गया कि परियोजना के संचालक, प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड एवं सभी सक्षम प्राधिकार सरकारी मापदण्डों का दृढतापूर्वक अनुपालन करेंगे तथा अनुपालन की सतत् निगरानी एवं अंकेक्षण भी सुनिश्चित करेंगे।


पर्यायोजना स्थल स विद्यालय एव अस्पताल का दूरा क दृष्टगत अध्यक्ष द्वारा अनुरोध किया गया कि वे विद्यालय में CER (Corporate Environmental Responsibility) के अन्तर्गत अपने स्तर पर AIR-PURIFIER लगाने की संभावना पर विचार करे।

अध्यक्ष द्वारा चर्चा के क्रम में परियोजना में पर्यावरण की रक्षा के लिए की जाने वाली शमनकारी उपयोग हेतु पूंजी लागत एवं आवर्ती लागत की कर्णांकित राशि में बढ़ोतरी करने की गुंजाइश देखते हुए इसमें वृद्धि करने हेतु विचार करने का सुझाव दिया गया।

सुनवाई में उपस्थित प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि एवं परियोजना के पर्यावरणीय, सलाहकार के द्वारा आश्वस्त किया गया कि कि परियोजना को सरकार के निर्धारित मापदण्डों/नियमों के अनुसार ही संचालित होगी और आम जनों को इससे किसी भी प्रकार का कोई कठिनाई/असुविधा नहीं होगी।

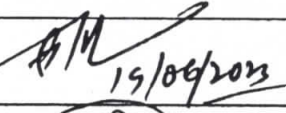
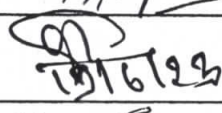
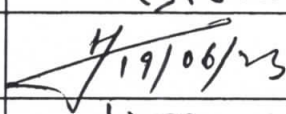
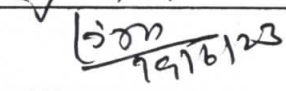
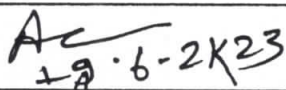
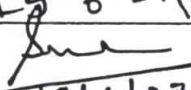
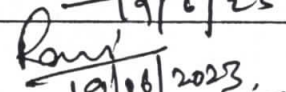
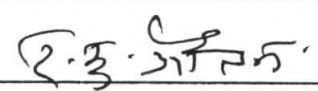
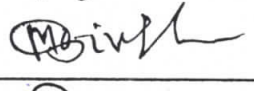
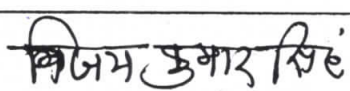
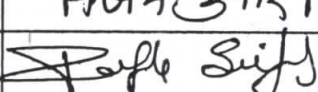
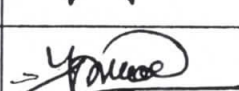
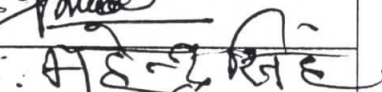
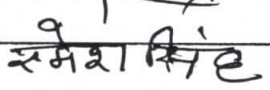
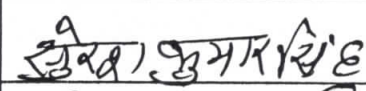
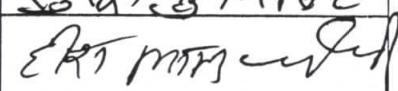
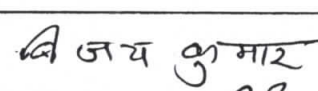
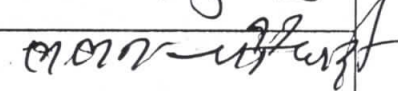
जन-सुनवाई के अंत में उपस्थित जनता के सुझाव को संग्रहित करते हुए सर्वसम्मति से बालू घाट के खनन परियोजना को शीघ्र प्रारंभ करने के लिए सक्षम प्राधिकार को अनुशंसा करने का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात् लोक सुनवाई सधन्यवाद समाप्त करने की घोषणा की गयी।

  
क्षेत्रीय पदाधिकारी  
बि.रा.प्र.नि.पर्षद,पटना

  
अपर समहर्ता ✓  
रोहतास

मेसर्स रूद्रा माइनिंग एलएलपी, प्रो०-श्री विश्वजीत कुमार, पिता-श्री विशेश्वर प्रसाद द्वारा रोहतास सोन-14 बालू घाट, मौजा-मकरैन, अंचल-डेहरी, जिला-रोहतास में आयोजित लोक-सुनवाई के दौरान उपस्थित व्यक्तियों की सूची:

स्थान- अंचल कार्यालय डेहरी, डेहरी, दिनांक: 19.06.2023 समय-11:00 A.M.

क्र.स.	नाम	पता	हस्ताक्षर
1.	Sanjay Kumar Saini	ADM (DFAO)	 19/06/2023
2.	रंजन कुमार	कै० एच० (०८) पुलिस/३१ वि० ०२१०५० वि० १५५५	 19/06/23
3.	पुन्योत्तम शिवेरी	BDO, Dehri	 19/06/23
4.	राजीव-राज	M.T Rohates	 19/06/23
5.	ANAMIKA KUMAR	CIRCLE OFFICER DEHRI	 19.6.2023
6.	SNEHA	REVENUE OFFICER DEHRI	 19/6/23
7.	Ravi Ranjan Pr.	Env. Consultant Rian Enviro Pvt. Ltd.	 19/06/2023
8.	रमेश कुमार गोयल	मकराइन	 र.कु.गोयल
9.	मनेज कुमार सिंह	मकराइन	 Manoj
10.	विजय कुमार सिंह	मकराइन	 विजय कुमार सिंह
11.	राजु सिंह	मकराइन वॉर्ड पार्क 11	 Raju Singh
12.	योगेन्द्र प्रसाद	मकराइन वॉर्ड पार्क वॉर्ड 12	 Yogendra
13.	महेन्द्र सिंह	मकराइन	 महेन्द्र सिंह
14.	रमेश सिंह	मकराइन	 रमेश सिंह
15.	सुरेश कुमार सिंह	मकराइन	 सुरेश कुमार सिंह
16.	दीपक कुमार वर्मा	मकराइन	 दीपक कुमार वर्मा
17.	बिजय कुमार	मकराइन	 बिजय कुमार
18.	मदन वर्मा	मकराइन	 मदन वर्मा

	प्रदीप कुमार	मकराईन	प्रदीप कुमार
19.	प्रदीप कुमार	मकराईन	विनोद कुमार
20.	सुमेश कुमार	मकराईन	विनोद-सिंह
21.	विनोद सिंह	मकराईन	हिरालाल सिंह
22.	हिरालाल सिंह	मकराईन	राजेश सिंह
23.	राजेश सिंह	मकराईन	हरमेश सिंह
24.	हरमेश सिंह	मकराईन	अमरत सिंह
25.	अमरत सिंह	मकराईन	जुंझुन सिंह
26.	जुंझुन सिंह	मकराईन	मनोज कुमार
27.	मनोज कुमार	मकराईन	शशि कान्त सिंह
28.	शशि कान्त सिंह	मकराईन	बंजु सिंह
29.	बंजु सिंह	मकराईन	अजय सिंह
30.	अजय सिंह	मकराईन	भाजि कुमार गुप्ता
31.	भाजि कुमार गुप्ता	मकराईन	संतोष कुमार
32.	संतोष कुमार	मकराईन	संतोष कुमार
33.	संतोष कुमार	मकराईन	राजेश सिंह
34.	राजेश सिंह		जनेश्वर सिंह
35.	जनेश्वर सिंह		विपुल सिंह
36.	विपुल सिंह	मकराईन	अरत सिंह
37.	अरत सिंह	मकराईन	परमेश्वर
38.	परमेश्वर	मकराईन	मदन कुमार सिंह
39.	मदन कुमार सिंह	मकराईन	सत्येंद्र सिंह
40.	सत्येंद्र सिंह	मकराईन	

41.	राज कुमार मकराईन	राजकुमार
42.	राम करन सिंह गंगोत्री	राम करन सिंह
43.	पिंडु सिंह	मकराईन
44.	राजीव शर्मा	मकराईन
45.	सुभंगराम	मकराईन
46.	विजय चोपड़ा	मकराईन
47.	चनवीर शर्मा	मकराईन
48.	Sanjay K. Prasad	Makrain
49.	अजय प्र सिंह	मकराईन
50.	Makrain	मकराईन
51.	Makrain	Makrain
52.	संजय कुमार	मकराईन

53. Ankit Singh Makrain  
 54. Prince Jaiswal Makrain  
 55. अभिषेक कुमार मकराईन  
 56. पंकज कुमार मकराईन  
 57. चनवीर सिंह मकराईन  
 58. श्रीमपुवाश सिंह मकराईन  
 59. मीता  
 60. मीता

Ankit  
 Prince Jaiswal

Makrain  
 Prince K  
 Ankit